रूफटॉप सोलर में राजस्थान दूसरे पायदान पर

चर्चा में क्यों?

6 अप्रैल, 2022 को अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा एवं चेयरमैन राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने अक्षय ऊर्जा निगम में अधिकारियों की समीक्षा बैठक में बताया कि केंद्र सरकार द्वारा फरवरी, 22 की जारी रिपोर्ट के अनुसार रूफटॉप सोलर योजना के क्रियान्वयन में गुजरात के बाद राजस्थान दूसरे नंबर पर आ गया है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि 10 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता विकसित कर राजस्थान सौर ऊर्जा में पहले से ही प्रथम पायदान पर है। बंजर भूमि पर सोलर सिस्टम लगाने की कुसुम योजना के क्रियान्वयन में भी राजस्थान अग्रणी प्रदेश बना हुआ है।
- डॉ. अग्रवाल ने बताया कि रूफटॉप सोलर में प्रदेश में 748 मेगावाट क्षमता विकसित की जा चुकी है। राज्य में अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से रूफटॉप सोलर योजना का क्रियान्वयन किया गया है।
- रूफटॉप सोलर योजना को और अधिक सरल बनाने के लिये अब स्टेट पोर्टल के स्थान पर नेशनल पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकेगा। इसी तरह से रूफटॉप सिस्टम लगाने के लिये अब एमएनआरई के एंपेनल्ड वेंडर के साथ ही स्वयं अपने स्तर पर भी सिस्टम लगाने की सुविधा होगी।
- रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने पर आने वाले व्यय को आरंभ में लाभार्थी को स्वयं वहन करना होगा और फिर अनुदान राशि सीधे लाभार्थी को जारी की जाएगी।
- इसके साथ ही नई सरलीकृत व्यवस्था के तहत लाभार्थी सरकार के एंपेनल्ड वेंडर या स्वयं अपनी पसंद का सिस्टम लगाने के लिये स्वतंत्र होंगे। लाभार्थी पर किसी तरह की मैक विशेष का सिस्टम या वेंडर विशेष से ही सिस्टम लगाने की बाध्यता नहीं होगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-ranks-second-in-rooftop-solar